भारत – लातविया संबंध

भारत और लातविया के बीच संबंध मधुर और मित्रतापूर्ण हैं, तथा लोकतंत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। लातविया के लोगों की भारतीय संस्कृति में लोकप्रिय रुचि ने संबंधों को मजबूत किया है। द्विपक्षीय संपर्क तब से हैं जब लातविया सोवियत यूनियन का भाग था और राजस्थान के साथ जुड़वां का दर्जा प्राप्त था। भारत ने लातविया को 7 सितंबर, 1991 में एक संप्रभु एवं स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता तथा 25 फरवरी 1992 को कूटनीतिक संबंध स्थापित किए। लातविया की सरकार ने जनवरी 2014 में नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला था। स्टॉकहोम के भारतीय मिशन को साथ ही लातविया का काम भी प्रत्यायित किया गया है।

राजनीतिक संबंध

कूटनीतिक संबंध स्थापित होने के बाद से लातविया की ओर से भारत के अनेक दौरे किए गए हैं, जिनमें 1997 में लातविया के राष्ट्रपति द्वारा, 2003 में स्पीकर द्वारा, 2003 में उप प्रधान मंत्री द्वारा, 2006 में और सितंबर तथा नवंबर 2013 में विदेश मंत्री द्वारा, 2007 में संस्कृति मंत्री द्वारा और 2007 में ई-गवर्नेंस मंत्री द्वारा किए गए दौरे शामिल हैं। फरवरी 2010 में लातविया के आर्थिक मंत्री के साथ एक व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक महत्वपूर्ण दौरा किया गया था। भारत की ओर से, विदेश राज्य मंत्री द्वारा तीन दौरे किए गए हैं, अंतिम दौरा 2011 में श्रीमती परणीत कौर द्वारा किया गया था। विदेश कार्यालय परामर्श के 5वें चक्र का आयोजन अप्रैल 2012 में रिगा में हुआ तथा विदेश कार्यालय परामर्श के पिछले चक्र (6वें चक्र) का आयोजन 3 फरवरी 2015 को नई दिल्ली में हुआ।

असेम विदेश मंत्री बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में 5 नवंबर को लक्जमबर्ग में लातविया के विदेश मंत्री श्री एडगर्स रिंकेविक्स और विदेश राज्य मंत्री (डा.) वी के सिंह के बीच बैठक से द्विपक्षीय संबंध और सुदृढ़ हुए।

5वीं एशिया - यूरोप बैठक (असेम) शिक्षा मंत्री बैठक में शामिल होने के लिए सुश्री वृंदा सरुप, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने 27-28 अप्रैल, 2015 को एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। डा. के एस धीमन (के एस डी), महानिदेशक, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सी सी आर ए एस) के नेतृत्व में एक तीन सदस्यीय आयुष शिष्टमंडल ने 28-29 मई 2015 को लात्विया विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक नेटवर्क में भाग लेने के लिए रिगा का दौरा किया। उन्होंने 29 मई 2015 को स्वास्थ्य के उप राज्य सचिव से भी मुलाकात की तथा आयुर्वेद के क्षेत्र में संभावित सहयोग तथा लात्विया विश्वविद्यालय में आयुष पीठ की स्थापना पर चर्चा की।

व्यापार, निवेश एवं अन्य संबंधों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित संस्थागत करार/व्यवस्थाएं की गई हैं:- (i) सितंबर, 1995 में हस्ताक्षरित सहयोग सिद्धांतों एवं निर्देशों की घोषणा; (ii) संस्कृति, कला, शिक्षा, विज्ञान, मास-मीडिया और खेलों के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन सितंबर 1995 में हस्ताक्षरित; (iii) लातविया और भारत के बीच आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग करार सितंबर 1995 में हस्ताक्षरित; (iv) विदेश कार्यालयी परामर्श प्रोटोकॉल सितंबर 1995 में हस्ताक्षरित; (v) वायु सेवा करार अक्टूबर 1997 में हस्ताक्षरित; (vi) व्यापारिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय एवं सांस्कृतिक सहयोग संबंधी अंतर-सरकारी सहयोग का करार जून 2001 में हस्ताक्षरित; (vii) सांस्कृतिक आदान-प्रदान करार मई 2006 में हस्ताक्षरित (viii) फरवरी 2010 में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश सुरक्षा करार; (ix) 28 फरवरी, 2012 में हस्ताक्षरित स्वास्थ्य संबंधी करार; और (x) सितंबर 2013 में हस्ताक्षरित दोहरे कराधान एवं कर वंचन को रोकने संबंधी करार।

दिसंबर 2010 में, लातविया की संसद में एक भारत-लातविया संसदीय मैत्री समूह स्थापित किया गया है। इसी प्रकार का एक मैत्री समूह भारतीय संसद में भी स्थापित किया गया है। लातविया की संसद के तत्कालीन अध्यक्ष ने अक्टूबर 2012 में भारत का दौरा किया था तथा अपने भारतीय समकक्ष को लातविया आने का न्योता दिया था। निमंत्रण को सैद्धांतिक तौर पर स्वीकार कर लिया गया था तथा तिथियां राजनयिक चैनलों के माध्यम से तय होनी थी।

भारत - लात्विया मैत्री समूह के अध्यक्ष तथा संसद सदस्य श्री अटिस लेजिंस ने आई सी सी आर के विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम के तहत 3 से 12 अप्रैल 2015 के दौरान भारत का दौरा किया।

आर्थिक एवं वाणिजयिक संबंध

द्विपक्षीय व्यापार संबंधी आंकड़े नीचे तालिका में दिए गए हैं और यह दर्शाते हैं कि पिछले पांच वर्षों में लगातार वृद्धि की अवधि के बाद, 2011-2013 के बीच गिरावट रुक गई है और मूल्य ने फिर से 200 मिलियन यूएस डॉलर का आंकड़ा छू लिया है। मुख्य भारतीय निर्यातों में चाय, कहवा, औजार, औषधियां, रासायनिक पदार्थ, वस्त्र, लौह एवं इस्पात आदि शामिल हैं। मुख्य भारतीय आयातों में रासायनिक पदार्थ, उर्वरक, लौह एवं इस्पात, मशीनरी आदि शामिल हैं। वस्त्र, कृषि उत्पादों, रत्न एवं आभूषण, केमिकल डाई और औषधियां शामिल हैं।

वर्ष 2008 के बाद से द्विपक्षीय व्यापार

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (अप्रैल - सितंबर)
भारत का निर्यात	47.17	103.19	96.18	104.08	102.07	98.12	43.23
भारत का आयात	154.94	196.32	141.53	73.63	103.89	36.22	49.47
कुल	202.11	299.51	237.71	177.71	205.96	134.34	92.70

स्रोत : वाणिज्य मंत्रालय, भारत। आंकड़े यूएस मिलियन डॉलर में और वर्ष का आशय वित्त वर्ष, अर्थात् अप्रैल-मार्च से है।

यूरोपियन यूनियन में लातविया के शामिल होने के बाद, भारतीय कंपनियां लातविया में निवेश के जरिये यूरोपियन यूनियन बाजार में पहुंच प्राप्त कर सकती हैं। रूस के साथ-साथ सीआईएस देशों के महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में इसकी भौगोलिक-कूटनीतिक स्थिति और इसके उत्कृष्ट सदाबहार बंदरगाहों के कारण इसकी संभावना जाती है। इन कारकों के साथ, लातविया सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों और हाल की सतत आर्थिक प्रगति, जिसमें लातविया को यूरो-जोन के सबसे तेजी से प्रगति कर रहे सदस्य देश के रूप में उभरते देखा गया है, भारतीय फर्मों के लिए अच्छे अवसर प्रदान करते हैं। तथापि, दोनों तरफ से निवेश संभावना से कम रहे हैं। लातविया के कंपनी रजिस्टर के अनुसार, वर्ष 2013 तक लातविया में 87 भारतीय कंपनियां पंजीकृत थीं परंतु कुल निवेश केवल 1 मिलियन यूएस डॉलर रहा है। भारत की ओर से निवेश के संभावित क्षेत्रों में औषधियां एवं स्वास्थ्य देखभाल, दूर-संचार, आईटी एवं सॉफ्टवेयर विकास, हैवी इंजीनियरिंग एवं जैव प्रौद्योगिकी शामिल हैं। भारत में लातविया की ओर से एफडीआई का संचयी आंकड़ा 0.1 मिलियन यूएस डॉलर से भी कम रहा है।

सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संबंध:

दोनों देशों के बीच वर्ष 2006-08 और इसके बाद के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम को लातविया सरकार के अनुरोध पर वर्ष 2008 में रोक दिया गया था, विभिन्न भारतीय सांस्कृतिक कला जत्थों ने लातविया में प्रस्तुतियां दीं; जो अधिकांशत: भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा प्रायोजित थे।

लातवियाई आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, एफएसआई द्वारा प्रदत्त विदेशी राजनयिकों के लिए पाठ्यक्रमों और आईसीसीआर द्वारा प्रदत्त छात्रवृततियों के नियमित लाभार्थी रहे हैं।

लातविया विश्वविद्यालय ने 'भारतीय अध्ययन एवं संस्कृति केंद्र' की स्थापना की है जिसका औपचारिक रूप से उद्घाटन 9 सितंबर 2013 को किया गया था। यह योग कक्षाएं और हिंदी कक्षाएं तथा भारत को प्रमोट करने के लिए अन्य कार्यकलाप कर रहा है। लातविया विश्वविद्यालय और लातविया के अन्य कई विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग संबंध स्थापित करने और भारत से छात्रों को

बुलाने के लिए उत्सुक हैं। फरवरी 2014 में चेन्नई में एक 'स्टडी इन लातविया सेंटर' खोलने के लिए एक साथ आए हैं।

<u>लातविया में आयुर्वेद का प्रचार - प्रसार</u>

लातविया में योग एवं आयुर्वेद के प्रचार - प्रसार की बहुत संभावना है। दोनों ही लातविया में लोकप्रिय हैं तथा इनको समग्र स्वास्थ्य देखरेख में सुधार के तरीकों के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, लातविया विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ चिकित्सा संकाय सदस्य का बहुत समर्थन मिल रहा है। परिणाम के तौर पर, आर्य वैद्य फार्मेसी (ए वी पी), कोयंबटूर, जिसने आयुष मंत्रालय से उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में अनुदान प्राप्त किया है, के साथ मिलकर लातविया विश्वविद्यालय फरवरी 2015 से आयुर्वेद का प्रारंभिक ज्ञान प्रदान करने के लिए 3 माह का डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। छात्रों में मुख्य रूप से एलोपैथी के अर्हक चिकित्सा डाक्टर हैं। विश्वविद्यालय उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम भी संचालित करना चाहता है। इसने 28 और 29 मई 2015 को 'भारत - लातविया सहयोग को बढ़ावा देना' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक फोरम का आयोजन किया जो आयुर्वेद सहित अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में भारत और लातविया के बीच सहयोग के लिए समर्पित है। लातविया में आयुर्वेद का प्रचार - प्रसार करने के अन्य प्रयासों में आयुर्वेद पर एक ग्रंथ का लातविया भाषा में चल रहा अनुवाद, जिसे पाठ्य पुस्तक के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है, लातविया विश्वविद्यालय में एक आयुर्वेद पीठ एवं एक आयुष सूचना प्रकोष्ठ का गठन तथा टाइप 2 मधुमेह पर एक संयुक्त अध्ययन शामिल है।

<u>भारतीय समुदाय</u>

लातविया में लगभग 150 लोगों का छोटा भारतीय समुदाय है और मुख्यत: व्यावसायिक गतिविधियों में लगा हुआ है। इनमें लगभग 100 भारतीय छात्र शामिल हैं जो लातवियाई विश्वविद्यालयों में चिकित्सा एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं। भारतीय मूल के लोगों की संख्या लगभग 200 है।

उपयोगी संसाधन :

स्वीडन और लातविया में भारतीय दूतावास की वेबसाइट :
http://www.indianembassy.se/
भारतीय दूतावास, स्टॉकहोम का फेसबुक:
https://www.facebook.com/IndianEmbassyStockholm
भारतीय दूतावास, स्टॉकहोम का यूट्यूब लिंक:
http://youtube.com/user/eoistockholmsweden/videos
न्यूजलैटर: http://issuu.com.stockholm/docs
ट्विटर : https://twitter.com/eoistockholm
***

जनवरी, 2016